भारत सरकार

कृषि मंत्रालय

कृषि एवं सहकारिता विभाग

 राज्‍य सभा

अतारांकित प्रश्‍न सं. 179

6 दिसम्‍बर, 2013 को उत्‍तरार्थ

**विषय: दालों के उत्‍पादन में आत्‍मनिर्भरता ।**

**179. श्री रवि शंकर प्रसाद:**

 **क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्‍या यह सच है कि दालों के उत्‍पादन के संदर्भ में देश आत्‍मनिर्भर होने की दिशा में आगे

 बढ़ चुका है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की क्‍या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्‍या देश में वर्ष 2012-13 में दालों के उत्‍पादन को देश में उपभोग की आवश्‍यकता को पूरा

 करने हेतु पर्याप्‍त माना गया है; और

(घ) यदि हां, तो उत्‍पादन एवं मांग की आंकी गई मात्रा का ब्‍यौरा क्‍या है ?

**उत्‍तर**

**कृषि एवं खाद्य प्रसंस्‍करण उद्योग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (श्री तारिक अनवर)**

**(क) एवं (ख):** देश में दलहनों का उत्‍पादन 2006-07 में 14.20 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2012-13 के दौरान 18.45 मिलियन टन हो गया है (अर्थ एवं सांख्‍यिकी निदेशालय का चौथा अग्रिम अनुमान) । तथापि, भारत सरकार ने राष्‍ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) और राष्‍ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) जैसे विभिन्‍न फसल विकास कार्यक्रमों के कार्यान्‍वयन के द्वारा क्षेत्र विस्‍तार और उत्‍पादकता की वृद्धि के जरिए दलहन के उत्‍पादन को बढ़ाने के लिए विभिन्‍न पहलें की हैं ।

**(ग) एवं (घ):** वर्ष 2012-13 के दौरान दलहनों का कुल उत्‍पादन 18.45 मिलियन टन
 अनुमानित है । इसके अतिरिक्‍त, भारत सरकार ने 2012-13 के दौरान देश में दलहनों की आवश्‍यकता की पूर्ति के लिए 3.83 मिलियन टन दलहन का आयात किया है ।

----------